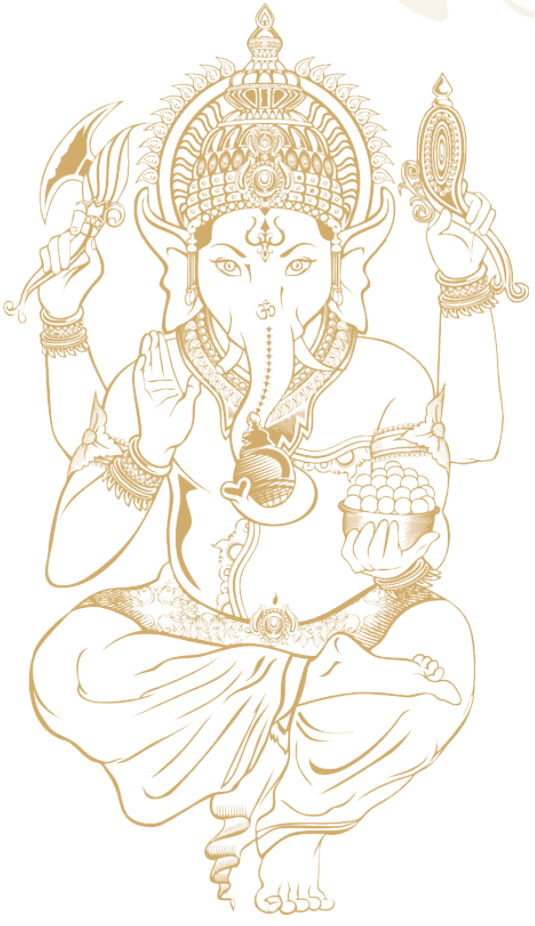

Mr. Shriyank

Ms.aakansha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119906002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	22/09/1997
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	06:30:50 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	01:25:10 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Khandwa
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	21:49:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	76:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:24:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	06:13:17
18:20:20	सूर्यास्त	18:20:48
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:27

विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि

मंगल	
16/02/2024	
16/02/2031	
मंगल	15/07/2024
राहु	02/08/2025
गुरु	09/07/2026
शनि	18/08/2027
बुध	14/08/2028
केतु	10/01/2029
शुक्र	12/03/2030
सूर्य	18/07/2030
चन्द्र	16/02/2031

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	सिंह	25:53:37
सूर्य	मीन	09:34:42
चंद्र	धनु	18:03:57
मंगल	कर्क व	19:22:20
बुध	कुंभ	20:53:53
गुरु	वृश्चि व	21:29:21
शुक्र	कुंभ	01:45:16
शनि	कुंभ	23:27:44
राहु	तुला व	12:16:05
केतु	मेष व	12:16:05
हर्ष	मक	05:57:40
नेप	मक	01:25:58
प्लूटो	वृश्चि व	06:41:39

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कन्या	08:31:22
सूर्य	कन्या	05:14:30
चंद्र	वृष	16:38:58
मंगल	वृश्चि	01:24:20
बुध	सिंह	18:49:03
गुरु	व मक	18:41:55
शुक्र	तुला	17:40:33
शनि	व मीन	24:28:28
राहु	व सिंह	25:52:14
केतु	व कुंभ	25:52:14
हर्ष	व मक	11:07:05
नेप	व मक	03:26:08
प्लूटो	वृश्चि	09:26:11

विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 0मा 4दि

राहु	
27/09/2009	
27/09/2027	
राहु	09/06/2012
गुरु	02/11/2014
शनि	08/09/2017
बुध	28/03/2020
केतु	15/04/2021
शुक्र	15/04/2024
सूर्य	10/03/2025
चन्द्र	08/09/2026
मंगल	27/09/2027

लग्न-चलित

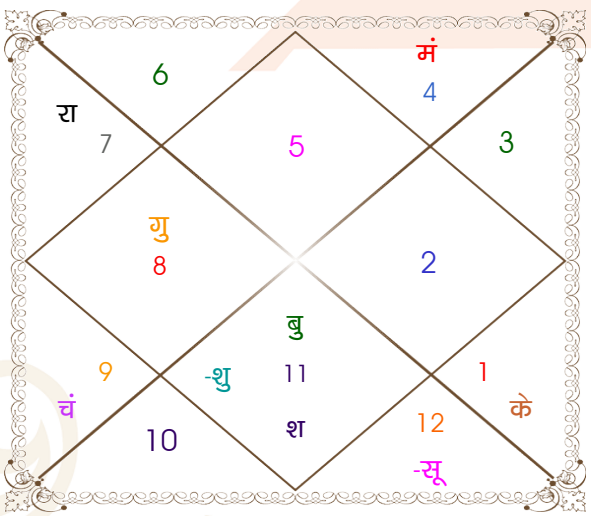

लग्न-चलित

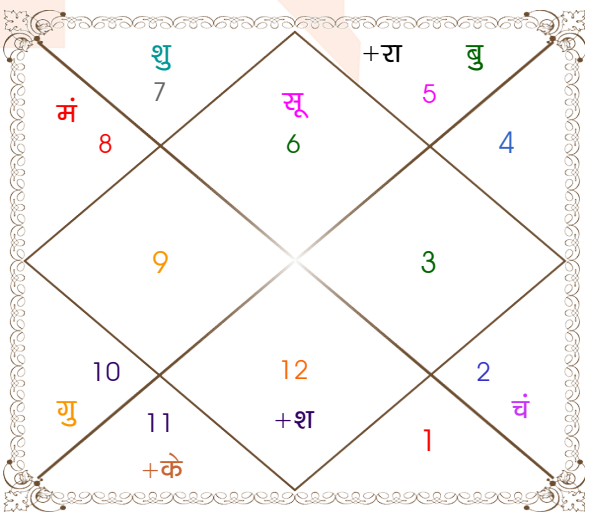

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्ौतपलंदा का वर्ग सर्प है तथा डेणंर्दी का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ौतपलंदा और डेणंर्दी का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ौतपलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेणंर्दी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेणंर्दी कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेणंर्दी कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ैतपलंदा तथा डेणंर्दी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।